राधे के चरणों में गिरकर आसूँ मोती बन जाते भजन लिरिक्स

राधे के चरणों में गिरकर,
आसूँ मोती बन जाते,
हो जाते बेकार अगर ये,
और कही बह जाते,
राधे के चरणो में गिरकर,
आसूँ मोती बन जाते।bd।

घुट कर अंदर अंदर जब,
दिल का दर्द उबलता है,
बाँध तोड़ कर पलको के,
आंसू का दरिया बहता है,
बह जाते है आंसू पर,
दिल को हल्का कर जाते,
राधे के चरणो में गिरकर,
आसूँ मोती बन जाते।bd।

उसके आगे क्या रोना जो,
मोल ना आंसू का जाने,
अंतर् मन की पीड़ा केवल,
अंतर्यामी पहचाने,
बोल नहीं सकते हम जो कुछ,
वो आंसू कह जाते,
राधे के चरणो में गिरकर,
आसूँ मोती बन जाते।bd।

ममतामयी मेरी राधे जी,
आंसू देख पिगल जाती,
लाल के बहते आंसू में,
उसकी करुणा भी बह जाती,
माँ की गोद से ज्यादा बच्चे,
और कहाँ सुख पाते,
राधे के चरणो में गिरकर,
आसूँ मोती बन जाते।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

राधे के चरणों में गिरकर,
आसूँ मोती बन जाते,
हो जाते बेकार अगर ये,
और कही बह जाते,
राधे के चरणो में गिरकर,
आसूँ मोती बन जाते।bd।

स्वर – मनीष भट्ट जी।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com